आचार्य विद्यासागर सुधा सागर जैन शोधपीठ
छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर

प्राकृत भाषा में प्रमाण-पत्र एवं डिप्लोमा

(Certificate & Diploma in Prakrit Language)

Programme Code – CPL/DPL

उद्देश्य ¼Objectives½

- प्राकृत आगम अपभ्रंश जैन ग्रंथ भाषा एवं साहित्य का ज्ञान प्राप्त करना।
- प्राकृत से उदभूत अप्रसंशा भाषा के विकास से प्रेरणा स्त्रोतो तथा राष्ट्रभाषा हिन्दी के आदि आधारों को समझना।
- विकसित भारत में योगदान एवं राष्ट्रीय एकता की भावना प्रदान करना।
- लोकभाषा, लोकजीवन और लोकचेतना एवं मनुष्य जीवन को गरिमा प्रदान करना।
- सम्पूर्ण जीव के प्रति वात्सल्य और धार्मिक स्वतंत्रता को समझना।
- गुण ग्रहण का भाव रुपी भावना को साकार करना।
- अप्रकाशित प्राकृत साहित्य का सम्पादन।
- शोध के नये आयाम उजागर करना।
- प्राकृत भाषा की पांडुलिपियां एवं शिलालेख के सम्पादन में परांगत होना।

प्रवेश योग्यता ¼Admission eligibility½ :किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10 वीं परीक्षा उत्तीर्ण या इसके समकक्ष, कनिष्ट उपाध्याय/वरिष्ट उपाध्याय(11$12) स्नातक(शास्त्री/बी0ए0/बी0एस0सी0 /बी0कॉम0),परास्नातक(आचार्य/एम0ए0/ एम0एस0सी0/एम0कॉम)

अवधि ¼Duration½ : न्यूनतम 1 वर्ष एवं अधिकतम 4 वर्ष

अध्ययन सामग्री का माध्यम¼Medium½ :हिन्दी, प्राकृत, अपभ्रंश, संस्कृत (जैन ग्रंथ भाषा)

श्रेयांक ¼Credit½ : 48 क्रेडिट (01 सर्टिफिकेट)
96 क्रेडिट (डिप्लोमा)

फीस : ₹2500 (1 प्रतिवर्ष)

मोड : ऑनलाइन/ऑफलाइन

प्राकृत भाषा पाठ्यक्रम

1. प्राकृत भाषा सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम।
2. प्राकृत भाषा डिप्लोमा पाठ्यक्रम।

पाठ्यक्रम परीक्षा प्रश्न पत्र

1. प्राकृत सर्टिफिकेट एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रम परीक्षा के लिए वर्ष में 02 बार परीक्षा होगी एवं प्रत्येक सर्टिफिकेट में 08 प्रश्न पत्र होगा।
2. प्रत्येक 01 वर्ष में 08 प्रश्न-पत्र पास करने पर 48 क्रेडिट और 01 प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा।
3. सर्टिफिकेट के लिए 01 वर्ष में 08 प्रश्न-पत्र एवं सम्पूर्ण डिप्लोमा के लिए 02 वर्ष में 16 प्रश्न-पत्र उत्तीर्ण करने होंगे।
4. 01सर्टिफिकेट का पाठ्यक्रम 01 वर्ष में उत्तीर्ण करना अनिवार्य है। सर्टिफिकेट को पूरा करने की निम्न समय अवधि 01 वर्ष और अधिकतम 02 वर्ष है।
5. डिप्लोमा के लिए कुल 02 सर्टिफिकेट (16 पाठ्यक्रम) 02 वर्ष में उत्तीर्ण करना अनिवार्य है। डिप्लोमा को पूरा करने की निम्न समय अवधि 02 वर्ष और अधिकतम 04 वर्ष है।

कार्यक्रम संरचना ¼Programme Structure½:- इस कार्यक्रम में निम्नलिखित सर्टिफिकेट के लिए 08 पाठ्यक्रम और डिप्लोमा के लिए 16 पाठ्यक्रम हैं –

प्रथम वर्ष (1st Year) प्रथम सेमेस्टर - छह माह

(प्राकृत / Prakrit language)

Program code - CPL

क्र.सं. (S.No)	प्रश्न पत्र कोड (Question Peper Code)	पाठ्यक्रम नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1	CCPL101T	भारतीय भाषाओं का वर्गीकरण	CPL01	6
2	CCPL102T	प्राकृत भाषा का उद्भव एवं विकास	CPL01	6
3	CCPL103T	प्राकृत भाषा के प्रमुख आचार्य	CPL01	6
4	CCPL104T	प्राकृत भाषा के मुख्य ग्रन्थ परिचय	CPL01	6

द्वितीय समेस्टर - छह माह

क्र.सं. (S.No)	प्रश्न पत्र कोड (Question Peper Code)	पाठ्यक्रम नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1	CCPL201T	प्राकृत शिलालेख स्वरूप एवं महत्त्व	CPL01	6
2	CCPL202T	प्राकृत ग्रन्थ की पाण्डुलिपी	CPL01	6
3	CCPL203T	जैन आगम साहित्य एवं रचनाकार	CPL01	6
4	CCPL204T	प्राकृत शौरसेनी साहित्य एवं रचनाकार	CPL01	6

द्वितीय वर्ष (2nd Year) प्रथम सेमेस्टर & छह माह

(प्राकृत / Prakrit language)

Program code - DPL

क्र.सं. (S.No)	प्रश्न पत्र कोड (Question Peper Code)	पाठ्यक्रम नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1	DDPL301T	प्राकृत व्याकरण (प्रथम)	DPL01	6
2	DDPL302T	प्राकृत व्याकरण (द्वितीय)	DPL01	6
3	DDPL303T	नीतिपरक प्राकृत गाथाएं एवं अभ्यास	DPL01	6
4	DDPL304T	प्राकृत सूक्तियां एवं अभ्यास	DPL01	6

द्वितीय समेस्टर - छह माह

क्र.सं. (S.No)	प्रश्न पत्र कोड (Question Peper Code)	पाठ्यक्रम नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1	DDPL401T	प्राकृत गद्य	DPL01	6
2	DDPL402T	प्राकृत पद्य	DPL01	6
3	DDPL403T	प्रोजेक्ट (लघु)	DPL01	6
4	DDPL404T	प्रोजेक्ट (दीर्घ)	DPL01	6

परीक्षा पद्धति ¼Examination Pattern½

न्यूनतम अवधि (01वर्ष) समाप्त होने के उपरान्त विद्यार्थी को लिखित सत्रांत (मुख्य) परीक्षा में सम्मिलित होना होगा। प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए 3 घण्टे (दो प्रश्न-पत्र) का समय निर्धारित है। प्रत्येक पाठ्यक्रम 100 अंकों का होगा। उत्तीर्ण होने के लिए प्रत्येक पाठ्यक्रम में 36 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य है। सफल विद्यार्थियों को निम्नानुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी

गोल्ड मेडल	:	100 प्रतिशत
प्रथम श्रेणी	:	60 प्रतिशत एवं अधिक
द्वितीय श्रेणी	:	48 प्रतिशत या अधिक एवं 60 प्रतिशत से कम
उत्तीर्ण	:	36 प्रतिशत या अधिक एवं 48 प्रतिशत से कम

पाठ्यक्रम का नाम ¼Name of Course½ : प्राकृत/ Prakrit language

Program code : CPL

प्रथम वर्ष-प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न-पत्र(CCPL101T)

भारतीय भाषाओं का वर्गीकरण

इकाई 1.

(क) भाषा का उद्भव एवं विकास, अर्थ एवं स्वरूप का सामान्य परिचय

(ख) भाषा का वर्गीकरण और उसका आधार

इकाई 2.

(क) भारतीय आर्ष भाषाये एवं लिपि

इकाई 3.

(क) मध्यकालीन भारतीय आर्ष भाषाएं

- प्राकृत
- पालि
- अपभ्रंश

इकाई 4.

(क) आधुनिक भारतीय भाषाओं में प्राकृत का अवदान

(ख) लिपि के आधार पर अन्य भाषाओं का विकास

इकाई 5.

(क) प्राकृत और संस्कृत भाषाओं का सापेक्षिक ज्ञान

(ख) प्राकृत भाषा और संस्कृत भाषा के नाटक और प्रयुक्त भाषा की एकरूपता

इकाई 6.

(क) वर्तमान समय में प्राकृत भाषा के रचनाकार एवं टीकाकार

- आचार्य सुनीलसागर जी महाराज
- मुनि प्रणम्यसागर जी महाराज

Texts/Reference	भारतीय भाषा विज्ञान-पं. किशोरीदास वाजपेयी, शास्त्री, चैखम्बा विद्या भारतीय भवन, वाराणसी। प्राकृत साहित्य का इतिहास-डाॅ.जगदीश चन्द्र जैन, चैखम्बा भारतीय वाराणसी प्राकृत भाषा और साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास- चैखम्बा भारतीय, वाराणसी

द्वितीय प्रश्न-पत्र (CCPL102T)

प्राकृत भाषा का उद्भव एवं विकास

इकाई-1 प्राकृत भाषा की व्युत्पत्ति एवं विकास, भाषा की परिभाषा, भाषा और बोली में अन्तर, भाषा का विकास।

इकाई-2 वैदिक साहित्य में प्राकृत के तत्त्व।

इकाई-3 प्राकृत भाषा के भेद-मागधी, अर्धमागधी, शौरसेनी और महाराष्ट्री प्राकृत की विशेषताऐं।

इकाई-4 प्राकृत भाषा प्रबोधिनी

Texts/Reference	प्राकृत साहित्य का इतिहास-डॉ.जगदीश चन्द्र जैन, चैखम्बा भारतीय वाराणसी प्राकृत भाषा और साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास- चैखम्बा भारतीय, वाराणसी प्राकृत भाषा प्रबोधिनी - जैन विश्वभारती, लाडनूं प्राकृत साहित्य का इतिहास-तारा डागा प्राकृत अकादमी साहित्य, जयपुर

तृतीय प्रश्न-पत्र (CCPL103T)

प्राकृत भाषा के प्रमुख आचार्य

इकाई-1 आचार्य कुन्दकुन्द

इकाई-2 आचार्य गुणभद्र

इकाई-3 आचार्य नेमिचन्द

इकाई-4 हरिभद्रसूरी

इकाई-5 आचार्य हेमचन्द्रसूरी आचार्य

इकाई-6 समणसुत्तं (चयनित अंश)

इकाई-7 प्राकृत सुबोध पाठमाला (विभक्ति प्रयोग तक)

Texts/Reference	प्राकृत भाषा और साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास- चैखम्बा भारतीय, वाराणसी पाइय सिक्खा-मुनि प्रणम्यसागर जी महाराज-आचार्य अकलंक देव जैन विद्या शोधालय, समिति, उज्जैन। प्राकृत सुबोध पाठमाला- तारा डागा,प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर

चतुर्थ प्रश्न-पत्र (CCPL104T)

प्राकृत भाषा के मुख्य ग्रन्थ परिचय

इकाई-1 प्राकृत के महाकाव्य-खण्डकाव्य

इकाई-2 प्राकृत के चम्पूकाव्य एंव मुक्तकाव्य

इकाई-3 प्राकृत के सट्टक एवं कथा साहित्य

इकाई-4 समणसुत्तं (चयनित अंश)

इकाई-5 द्रव्यसंग्रह (चयनित अंश)

Texts/Reference	प्राकृत साहित्य का इतिहास-डॉ. जगदीश चन्द्र जैन, चैखम्बा भारतीय वाराणसी समणसुत्त-संपादक डॉ. शिखर चन्द्र जैन, एक नाभि प्रकाशन। द्रव्यसंग्रह-आ. नेमिचन्द्र, प्रकाशन- संगानेर, जयपुर।

पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course) : **प्राकृत/ Prakrit language**

Program code : **CPL**

प्रथम वर्ष

द्वितीय सेमेस्टर-छह माह

प्रथम प्रश्न-पत्र (CCPL201T)

प्राकृत शिलालेख स्वरूप एवं महत्त्व

इकाई-1 शिलालेख विज्ञान का परिचय

इकाई-2 सम्राट अशोक एवं खारवेल के प्राकृत शिलालेख।

इकाई-3 अन्य प्राकृत शिलालेख

इकाई-4 प्राकृत सुबोध पाठमाला (वाच्य, अनियमित प्रयोग, प्रेरणार्थक क्रिया-प्रयोग)

ईकाई-5 चयनित प्राकृत गद्य-पद्य

Texts/Reference	जैन शिलालेख-डॉ. हीरालाल जैन, भारतीय ज्ञान पीठ, दिल्ली। अशोक के अभिलेख-डॉ. राजवली पाण्डेय, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी।

द्वितीय प्रश्न-पत्र (CCPL202T)

प्राकृत ग्रन्थ की पांडुलिपि

इकाई-1 पाण्डुलिपि विज्ञान का परिचय

इकाई-2 लिपिकर्ता एवं लेखन प्रकिया

इकाई-3 पाण्डुलिपि के विभिन्न स्रोत

इकाई-4 पाण्डुलिपि के प्रकार

इकाई-5 ब्राह्मी लिपि

इकाई-6 पाण्डुलिपी संरक्षण

इकाई-7 प्रमुख जैन पाण्डुलिपी भण्डार

Texts/Reference	पाण्डुलिपि विज्ञान- डॉ. सत्येन्द्र, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर। ब्राह्मी लिपि-आचार्य सुनीलसागर जी महाराज, इन्दौर

तृतीय प्रश्न-पत्र (CCPL203T)

जैन आगम का साहित्य

इकाई-1 आगम साहित्य का सामान्य विवेचन

इकाई-2 अर्धमागधी साहित्य का सामान्य परिचय

Texts/Reference	प्राकृत साहित्य का इतिहास-डॉ.जगदीश चन्द्र जैन, चैखम्बा भारतीय वाराणसी समणसुत्त-संपादक डॉ. शिखर चन्द्र जैन, एक नाभि प्रकाशन। द्रव्यसंग्रह-आ. नेमिचन्द्र, प्रकाशन- सांगानेर, जयपुर।

चतुर्थ प्रश्न-पत्र(CCPL204T)

प्राकृत शौरसेनी साहित्य एवं रचनाकार

इकाई-1 शौरसेनी साहित्य का सामान्य विवेचन

इकाई-2 शौरसेनी साहित्य का सामान्य परिचय

Texts/Reference	प्राकृत साहित्य का इतिहास-डॉ.जगदीश चन्द्र जैन, चैखम्बा भारतीय वाराणसी समणसुत्त-संपादक डॉ. शिखर चन्द्र जैन, एक नाभि प्रकाशन। द्रव्यसंग्रह-आ. नेमिचन्द्र, प्रकाशन- संगानेर, जयपुर।

द्वितीय वर्ष
प्रथम सेमेस्टर

पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course) : प्राकृत/ Prakrit language

Program code : DPL

प्रथम प्रश्न-पत्र (DDPL301T)

प्राकृत व्याकरण (प्रथम)

इकाई-1 हेमचन्द्र के पूर्ववर्ती प्राकृत वैयाकरणाचार्य
इकाई-2 हेमचन्द्र प्राकृत व्याकरण
इकाई-3 प्राकृत के गणनावाचक व क्रमवाचक संख्या शब्द
इकाई-4 कुछ शब्दरूप
इकाई-5 संज्ञा सूत्र (चयनित)
इकाई-6 सर्वनाम
इकाई-7 क्रिय-कृदन्त-सूत्र
इकाई-8 संधि

Texts/Reference	प्राकृत साहित्य का इतिहास-डॉ. जगदीश चन्द्र जैन, चैखम्बा भारतीय वाराणसी प्राकृत शिक्षा-मुनि प्रणम्यसागर जी, आचार्य अकलंक देव जैन विद्या शोधालय, समिति, उज्जैन प्राकृत वाक्यरचना बोध- युवाचार्य महाप्रज्ञ,जैन विश्व भारतीय लाडनूं, (राज.)

द्वितीय प्रश्न-पत्र (DDPL302T)

प्राकृत व्याकरण (द्वितीय)

इकाई-1 समास
इकाई-2 अनुवाद रचना
इकाई-3 व्याकरण का सामान्य नियम तद्धित, विशेषण
इकाई-4 प्राकृत के प्रमुख छन्द्र- गाहा, पत्था, विउला, उग्गाहा, गाहू, सिंहिणी आदिं
इकाई-5 सेमीनार

Texts/Reference	प्राकृत साहित्य का इतिहास-डॉ..जगदीश चन्द्र जैन, चैखम्बा भारतीय वाराणसी प्राकृत वाक्यरचना बोध- युवाचार्य महाप्रज्ञ,जैन विश्व भारतीय लाडनूं, (राज.) प्राकृत रचना सौरभ-कमलचंद सोगाणी, अपभ्रंश अकादमी, जयपुर

तृतीय प्रश्न-पत्र (DDPL303T)

नीतिपरक प्राकृत गाथाएं एवं अभ्यास

इकाई-1 थुदी संगहो
(क) उसहजिण त्थुदी
(ख) पासणाह-त्थुदी
(ग) वड्ढमाण-त्थुदी
इकाई-2 गोम्टेश स्तुति
इकाई-3 तित्थयर भावणा
इकाई-4 नीतिपरक चयलित गाथाएं
इकाई-5 अभ्यास सौरभ-भाग

Texts/Reference	सुनील प्राकृत समग्र-आचार्य सुनीलसागर, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली तित्थयर भावणा- मुनि प्रणम्यसागर जी, आचार्य अकलंक देव जैन विद्या शोधालय, समिति, उज्जैन णीदि-रहस्सं (नीति रहस्य)- मुनि श्री आदित्यसागर जी महाराज

चतुर्थ प्रश्न-पत्र (DDPL304T)

प्राकृत सूक्तियां एवं अभ्यास

इकाई- 1 प्राकृत की सूक्तिया
इकाई- 2 अभ्यास सौरभ
इकाई- 3 प्राकृत की कथाएं (चयनित अंश)
इकाई- 4 प्राकृत रचना भास्कर एवं प्राकृत शब्दकोश

Texts/Reference	धम्मकहा- मुनि प्रणम्यसागर जी, आचार्य अकलंक देव जैन विद्या शोधालय, समिति, उज्जैन णीदि-रहस्सं (नीति रहस्य)- मुनि श्री आदित्यसागर जी महाराज

द्वितीय वर्ष
द्वितीय-सेमेस्टर (छह माह)

प्रथम प्रश्न-पत्र (DDPL401T)

प्राकृत गद्य

इकाई-1 भद्दबाहु-चरियं
इकाई-2 सच्चत्थ बोहो (चयनित)
इकाई-3 वज्जालग्ग (चयनित)

Texts/Reference	धम्मकहा- मुनि प्रणम्यसागर जी, आचार्य अकलंक देव जैन विद्या शोधालय, समिति, उज्जैन सच्चत्थ बोहो-मुनि श्री आदित्यसागर जी महाराज

द्वितीय प्रश्न-पत्र (DDPL402T)

प्राकृत पद्य

इकाई-1 नियमसार (जीवधिकार पर्यन्तम्)

Texts/Reference	णियमसार- आर्हत विद्या प्रकाशन, गोटेगांव, नरसिंहपुर

तृतीय प्रश्न-पत्र (DDPL403T)

प्रोजेक्ट लघु

गृह कार्य

चतुर्थ प्रश्न-पत्र (DDPL404T)

प्रोजेक्ट दीर्घ

गृह कार्य

- विद्यार्थी को विषय सूची में से किसी एक विषय का चयन कर प्रोजेक्ट कार्य करना होगा, यह लगभग 5000 शब्दों का होना चाहिए, जो ए-4 साईज के पृष्ट पर अंकित हो व स्पाइरल बाइण्ड हो। यह प्रोजेक्ट रिपोर्ट व्यक्तिगत रुप से या रजिस्टर्ड डाक से परीक्षा नियंत्रक को परीक्षा से एक माह पूर्व अनिवार्य रुप से पहुच जानी चाहिए।
- 100 से ज्यादा विद्यार्थी किसी भी शहर के एक साथ होते है तो उनकी सुविधा हेतु शोध पीठ उनकी परीक्षा उन्ही के शहर में आयोजित करने का प्रयास करेगी।